

(नियम 26)

अज अदालत.....मुकाम.....

.....बनाम.....

किस्म मुकदमा.....अपील.....नम्बर.....26.....वर्ष 2023.....

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
2019123	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील अपीलान्ट उपर। बख्त वकील अपीलान्ट सुनी गई। दौराने बख्त वकील अपीलान्ट ने बताया कि भूमि खण्ड नं० 51 रकबा 2.1500 है तन ग्राम देवीपुरा पशवारी हल्का हाथी डेह तहसील श्रीमाधोपुर में स्थित है। जिलमें 0.4000 है पर अपीलार्थी वस्तु पुजुर्गान के समप से काबिज चला आ रहा है। आपली रजिस्ट्र के कारण पशवारी हल्का ले गलत रिपोर्ट लेकर प्रकरण दर्ज कर नोटिस जारी कर दिया। कागामी पेशी 8-2-2023 नियत की गई। अपीलार्थी को बिना सुनवाई के जबाब दिखे बिना दिनांक 13-2-23 को निर्णय पारित कर दिया व अपीलान्ट को भौतिक रूप से बेदाखल करने का आदेश पारित कर दिया गया। इस आधार ले चुनौतिग्रस्त आदेश अपास्त होने योग्य है। जबकि तामिल भी उपेपर नहीं हुई। अतः न्यायालय उप तहसीलदार अजीतगढ द्वारा पारित निर्णय दिनांक 13-2-2023 निरस्त फरमाया जावे।</p> <p>वकील अपीलान्ट बि बख्त पर मनन किया गया। पत्रावली व पत्रावली में उपलब्ध रिमांड व उप तहसीलदार अजीतगढ द्वारा प्राप्त मूल रिमांड का हवलामें किया गया। पत्रावली में उपलब्ध रिमांड पशवारी हल्का नि रिपोर्ट के अफगोकन ले पाया गया कि भूमि खण्ड नं० 51 रकबा 2.15 में से 0.40 है मे पत्थर व मिट्टी जोस लगाकर अतिक्रमण किया जाना बताया है। जो रिपोर्ट है स्पष्ट है। पशवारी हल्का द्वारा जो नजरी जमाया बनाया है उसमे अतिक्रमण कहाँ प</p>	



अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अति. जिला मजिस्ट्रेट सीमकान्त

कितने रकबे पर कर रखा है उसका कोई
अंकन नहीं है। न्यायालय उप तहसीलदार
अजीतगढ़ से प्राप्त मूल रिमांड च रिपोर्ट
का अवलोकन किया गया। पत्रावली में
शामिल नोटिस जो अपीलान्ट को जारी किया
गया जिसका अवलोकन करने पर पाया
गया कि नोटिस के पिछे महेन्द्र व सायर
डो नाम अंकित है। तबाल कि कोई रिपोर्ट
नहीं है। ना ही कोई दिनांक अंकित कि गई
है जिससे यह प्रतीत होता है कि तामिल
विधिवत रूप से नहीं करवाई गई है। ना ही
तामिल कुनिदां कि कोई रिपोर्ट कि गई है।
जिससे यह स्पष्ट साबित होता है कि इस
तामिल के आधार पर जो एक पक्षीय
कार्यवाही अमल में लाई गई है वो विधि
सम्मत प्रतीत नहीं होती है। अधिनस्थ न्याया
दारा जो निर्णय कारित किया गया है
जिससे यह प्रतीत होता है कि अपीलान्ट
को सुनवाई का शर्ष अवसर भी नहीं दिया
गया जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्त का
उल्लंघन है। अपीलान्ट द्वारा अपील के साथ
मियाद बाबत धारा 5 का प्रार्थना पत्र
व शपथ पत्र पेश किया है जो जानकारी
के अभाव में डी डेरी कन्डोन कर अपील
अन्दर मियाद हवीकार किया जाना न्यायहित
में उचित प्रतीत होने पर प्रार्थना पत्र
धारा 5 का न्यायहित में हवीकार किया
जाता है। इस प्रकार अपील व अपील
में उपलब्ध रिमांड च उप तहसीलदार
अजीतगढ़ द्वारा प्राप्त मूल रिमांड के अवलोकन
के आधार पर अपील अपीलान्ट हवीकार
किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः उपरोक्त विवेचन के
आधार पर अपील अपीलान्ट साबित
होने से हवीकार की जाती है। उप तहसीलदार
अजीतगढ़ के मुंन 291 / 2022-2023 अतामी

अतिरिक्त जिला कलक्टर
एवं अति. निदेश अधिकारी
जिला न्यायालय

फर्द अहकाम

(नियम 26)

त. मुकाम.....

बनाम.....

दमा. नम्बर..... वर्ष.....

क्र.	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>लरकार बनाम धूडसिंह में पारित निर्णय दिनांक 13-2-2023 अपास्त किया जाता है। तथा अपील अपीलान्त उप तहसीलदार अजीतगढ को इस आदेश के साथ रिमाण्ड भि जाती है कि हमि खण न० 51 रुब्रा 2.15 है में से 0.40 है पर अतिक्रमण बताया है जिसकी पुनः नाप जोरवकर एवं सुनवाई का प्रण अवसर प्रदान कर पुनः निर्णय पारित करें। एवं इली के साथ हमि खण न० 51 में अन्य लोगों के द्वारा भी अतिक्रमण कर रहा है तो उनकी भी सुनवाई इली पत्रावली के साथ कर नियमानुसार निर्णय पारित करें। निर्णय की पालना हेतु उप तहसीलदार अजीतगढ को निर्णय की प्रति के साथ तहरीर जारी कि जावें। निर्णय खण पत्रावली फाइल नुमांवर दोसर नम्बर से कम होकर दाखिल पत्र हो।</p>	

अतिरिक्त जिला कलक्टर
एवं अति. जिला मजिस्ट्रेट
नीमकायना